सिन्धु घाटी सभ्यता

शब्दार्थ

धर्मनिरपेक्ष - किसी विशेष धर्म में विश्वास न करके सभी धर्मों को बराबर महत्त्व देना
क्रांति - बदलाव
अग्रदूत - सबसे आगे रहकर प्रेरित करना
नागर - नगरीय
दस्तकारी - हाथ से बना सामान
ठेठ - पक्के
हमाम - पानी डालने व रखने के बड़े-बड़े बर्तन या धरती में बने तालाब
अवशेष - बचे हुए चिह्न
कबीला - कुल, वंश, जंगली आदमियों का समूह
समन्वय - मेल, मिलना, मिलाना
सुदूर - दूर स्थित

1. आर्य कौन थे ?

उत्तर :- आर्यों को व्यवहारिक रूप में भारत की संतान ही माना गया है। लेकिन ये लोग कौन थे ? कहाँ से आए ? इसके बारे में कुछ कहा नहीं जा सकता। अनुमानतः माना जाता है कि आर्यों का प्रवेश सिन्धु घाटी युग के लगभग एक हजार वर्ष बाद हुआ। भारत की पश्चिमोत्तर दिशा से भारत में कबीले और जातियाँ समय-समय पर आती रहीं और इनका मेल द्रविड़ जातियों से होता रहा। इन्हें ही आर्य माना गया।

2. सिंधु घाटी के समाप्त होने का कारण क्या माना गया है ?

उत्तर :- सिंधु नदी अपनी बाढ़ के कारण प्रसिद्ध थी। कहा जाता है कि जब यह अपने वेग में बहती तो अपने साथ गाँवों के गाँव बहा कर ले जाती थी सिंधु घाटी भी इसकी चपेट में आई, ऐसी माना जाता है।

Scanned with CamScanner

3. वेदों और अवेस्ता में क्या समानता है?

उत्तर:- वेदों की रचना भारतीय भूमि पर हुई थी, पर अवेस्ता की रचना ईरान में हुई थी। 'वेदों' और 'अवेस्ता' की ग विषय वस्तु भाषा में अद्भुत समानता है। भारत की भूमि पर प्रवेश करने से पहले आर्य अपने साथ उसी कुल के विचारों को लेकर आए थे, जिससे 'अवेस्ता' की रचना हुई थी। इसलिए वेद भारत के अपने संस्कृत महाग्रन्थों की अपेक्षा अवेस्ता के अधिक निकट प्रतीत होते हैं।

4. प्राचीन भारत में जीवन और कर्म की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर:- 1. प्राचीन भारत का राजनीतिक और आर्थिक ढाँचा ग्राम-समुदायों से बनाया जाता था, जिन्हें दस-दस और सौ-सौ के समूह में बाँट दिया जाता था।

2. ग्राम-सभाएँ एक सीमा तक स्वतंत्र थीं।

3. गाँवों की आमदनी का मुख्य साधन लगान था।

4. जमीन पर लिए जाने वाले कर में राजा का हिस्सा होता था, जिसका भुगतान प्रायः पैदावार के रूप में किया जाता था।

5. लगान उपज के छठे भाग के बराबर होता था।

6. विशेष दस्तकारियों से संबंधित लोग अलग बस्तियों और गाँवों में रहते थे।

7. पूरा गाँव सहकारिता के नियमों पर काम करता था और बड़े हैके लेता था।

8. औषध विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान से संबंधित विकास हो चुका था।

5. औषध-विज्ञान के जनक कौन माने गए हैं?

उत्तर:- औषध-विज्ञान के जनक धन्वंतरि माने जाते हैं।

6. औषध-विज्ञान व शल्य-चिकित्सा पर किसकी पुस्तकें प्रसिद्ध हैं?

उत्तर:- औषध-विज्ञान पर चरक की व शल्य-चिकित्सा पर सुश्रुत की पुस्तकें प्रसिद्ध हैं।

Scanned with CamScanner